शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

मूल्य परक प्रश्न पर आधारित अतिरिक्त सहायक सामग्री
वर्ष 2012–2013

विषय – हिंदी
कक्षा – दसवीं

मार्गदर्शन :

डॉ0 सुनीता एस0 कौशिक
अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (स्कूल/परीक्षा)

समन्वय :

श्रीमती रानी देवी
प्रधानाचार्या
सर्वोदय कन्या विद्यालय नं. 1
जीनत महल, कमला मार्किट

तैयारकर्ता :

क्र. सं.	नाम	विद्यालय
1.	डॉ सीमा पाण्डे, व्याख्याता हिन्दी	डॉ राजेन्द्र प्रसाद सर्वोदय विद्यालय राष्ट्रपति संपदा
2.	श्रीमती शुचिता, टी जी टी हिन्दी	सर्वोदय कन्या विद्यालय नं. 1 जीनत महल, कमला मार्किट
3.	श्रीमती संगीता सिंह, टी जी टी हिन्दी	सर्वोदय कन्या विद्यालय माता सुन्दरी रोड
4.	श्रीमती बीना, टी जी टी हिन्दी	सर्वोदय कन्या विद्यालय बुलबुली खाना, आसफअली रोड
5.	श्री अरूण कुमार, टी जी टी हिन्दी	राज. व. मा. बाल विद्यालय बेला रोड, दरियागंज

माता का अँचल

प्रश्न 1. 'माता का अँचल' पाठ के प्रथम अनुच्छेद में भोलानाथ के परिवार की नियत दिनचर्या का वर्णन किया गया है। एक विद्यार्थी के व्यक्त्वि के विकास के लिए भी नियत दिनचर्या का होना आवश्यक है, जिसे उचित समय प्रबंधन द्वारा पाया जा सकता है। इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 2. आज की व्यस्त जीवनशैली में हमें भोलानाथ के समान प्रकृति का सानिध्य नहीं मिल पा रहा है। प्रकृति के सानिध्य को आप किन उपायों द्वारा प्राप्त कर सकते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. ' हमने मइयाँ के आँचल की – प्रेम और शांति के चँदवे की छाया न छोड़ी' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है, और माता प्रथम शिक्षक।

प्रश्न 4. भोलानाथ अपने साथियों के साथ कई प्रकार के खेल खेलता था, यहाँ तक कि वह कभी–कभी अपने पिता के साथ कुश्ती भी लड़ता था। वर्तमान समय में खेल, मनोरंजन और शरीरिक विकास का ही साधन नहीं, अपितु व्यवसाय का साधन भी बन गए हैं। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. 'माता का अँचल' कहानी में माता – पिता का बच्चों के प्रति अटूट वात्सल्य दर्शाया गया है। माता – पिता के प्रति बच्चों के क्या कर्त्तव्य होने चाहिए? आप अपने कर्त्तव्यों को किस प्रकार निभाते हैं?

प्रश्न 6. 'माता का अँचल' कहानी में माता – पिता, एवं बच्चों के रिश्तों में जिस निकटता के दर्शन होते हैं, वर्तमान में व्यस्त जीवन शैली वाले माता – पिता, और बच्चों के मध्य, इस निकटता के दर्शन नहीं होते। बच्चों के भावात्मक विकास पर इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है?

प्रश्न 7. आज की भौतिक सुविधाओं से संपन्न जीवन शैली ने बच्चों के स्वाभाविक विकास को अवरूद्व किया है, जिससे बच्चों का बचपन लुप्त हो रहा है, और बच्चे समय से पूर्व वयस्क हो रहे हैं। बच्चों का स्वाभाविक विकास हो इसके समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 8. भोलानाथ एवं उसके साथियों द्वारा चूहे के बिल में पानी उलीचने की घटना, बच्चों की पशु –पक्षियों के प्रति शरारती प्रवृत्ति को प्रकट करती है, बच्चों की इस प्रवृत्ति रोकने एवं पशु – पक्षियों को संरक्षित करने के उपायों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 9. बच्चों के चारित्रिक विकास में उनका परिवेश एवं मित्रों की संगति, किस प्रकार साधक अथवा बाधक है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10. 'माता का अँचल' कहानी से स्पष्ट होता है, कि' पिता से कितना ही स्नेह क्यों न हो, विपत्ति के समय बच्चा माता का ही आश्रय ढूँढता है।' इस बात के समर्थन में तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

प्रश्न 11. बच्चा अनुकरण के द्वारा ज़्यादा सीखता है। एक अच्छा नागरिक बनने के लिए छात्र को किन – किन बातों का अनुकरण करना चाहिए, तथा किन का नहीं?

प्रश्न 12. बच्चे खेल – खेल में, उचित – अनुचित का ध्यान रखे बिना, पशु–पक्षियों को प्रताड़ित करते हैं,जो सर्वथा अनुचित है। आपके विचार से पशु –पक्षियों के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए?

प्रश्न 13. 'माता का अँचल' कहानी ग्रमीण परिवेश पर आधरित है, जो ग्रामीण बच्चों के जीवन की सरलता को दर्शाती है। इस आधार पर स्पष्ट कीजिए कि ग्रमीण बच्चों के सरल बचपन की दुनिया, आपकी बचपन की दुनिया से किस प्रकार भिन्न है?

जॉर्ज पंचम की नाक

प्रश्न 1. ''शंख इंग्लैंड में बज रहा था, गूँज हिंदुस्तान में आ रही थी'' इस आधार पर स्पष्ट कीजिए, कि आज हम जिस प्रकार पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर रहे हैं, क्या वह उचित है?

प्रश्न 2. 'इंग्लैंड के अखबारों की कतरनें हिन्दुस्तानी अखबारों में दूसरे दिन चिपकी नज़र आती थी, कि रानी ने ऐसा हल्के नीले रंग का सूट बनवाया है जिसका कपड़ा रेशमी था, जिसका दाम चार सौ पौण्ड था'' यह सत्य है कि व्यक्ति की पहचान उसके महँगे कपड़ों से नहीं, बल्कि उसके अच्छे कार्यों से होती है। आपके विचार से समाचार में व्यक्ति के पहनावे की चर्चा होनी चाहिए या उसके कार्यों की? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. विशिष्ट अतिथियों के आगमन पर ही शहर की स्वच्छता और सुन्दरता पर ध्यान देना उचित नहीं है, अपितु इसे हमें अपनी दैनिक आदतों में शामिल करना होगा। इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 4. अक्सर हम व्यवस्था के प्रति अपना गुस्सा, बसें जलाकर एवं सार्वजनिक स्थानों पर तोड़ –फोड़ कर व्यक्त करते हैं। क्या एक सभ्य नागरिक के द्वारा किया जाने वाला यह कृत्य उचित है?

प्रश्न 5. झूठी प्रतिष्ठा और दिखावे के लिए चिन्ता या बदहवासी होना तथा फिज़ूल ख़र्ची करना, कहाँ तक उचित है?

प्रश्न 6. राष्ट्र को सही दिशा दिखाने के लिए यह आवश्यक है कि समाचार का प्रत्येक विषय जनता को जागरूक करने, तथा जनहित के लिए हो, न कि उन्हें दिग्भ्रमित करने के लिए। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7. रानी एलिज़ाबेथ के भारत आगमन पर हुई तैयारियों एवं राष्ट्रमण्डल खेलों के दौरान हुई तैयारियों पर अपने तुलनात्मक विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 8. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली ख़बर के विरोध में सब अखबार चुप थे। क्या आपकी राय में विरोध करने का यह तरीका सही है, या इसका विरोध अपने विचारों की अभिव्यक्ति से होना चाहिए था ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9. 'अतिथि देवो भवः' भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र है। हमें भारत में आने वाले अतिथियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

प्रश्न 10. 'फाइलें सब कुछ हज़म कर चुकी हैं। इस कथन के संदर्भ में मौजूदा व्यवस्था की कार्य प्रणाली पर प्रकाश डालिए।

साना साना हाथ जोड़ि .....

प्रश्न 1. प्रदूषण के कारण ऋतु चक्र में बदलाव आया है। इसके लिए हम कितने ज़िम्मेदार हैं, और इसे कैसे रोका जा सकता है?

प्रश्न 2. देश की सीमा पर देश–हित के लिए तैनात सैनिकों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हम उनके प्रति अपनी कृतज्ञता किस प्रकार ज्ञापित कर सकते हैं?

प्रश्न 3. परिश्रम के बल पर व्यक्ति कठिन से कठिन लक्ष्य को भी सहजता से प्राप्त कर लेता है। इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 4. देश की प्रगति में श्रमिकों का विशेष योगदान है। वह पारिश्रमिक के साथ–साथ सम्मान के भी अधिकारी हैं। इस पर अपने विचार दीजिए।

प्रश्न 5. घुमक्कड़ी हमें 'स्व' की संकीर्णता से मुक्त करती है, तथा एक दूसरे से जुड़ना सिखाती है,यह कथन कहाँ तक सत्य है?

प्रश्न 6. प्रकृति के विनाश के लिए मनुष्य उत्तरदायी है। इस समस्या के निदान के लिए युवा पीढ़ी को किस प्रकार की जागरूकता की आवश्यकता है?

प्रश्न 7. यात्राएँ मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि ज्ञानार्जन एवं अज्ञात स्थलों की जानकारी देते हुए भाषा और संस्कृति का आदान– प्रदान भी करती हैं, इसके पक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 8. प्रकृति ने जल संचयन की समुचित व्यवस्था की है, फिर भी महानगरों में बढ़ता जल संकट, भविष्य के प्रति एक गम्भीर चेतावनी है। आप किस प्रकार जल संचयन कर, इस संकट से उभर सकते हैं?

प्रश्न 9. अन्धविश्वासों का अन्धानुकरण, व्यक्ति के विकास में बाधक ही नहीं होता, बल्कि समाज की प्रगति को भी रोकता है। इस कथन के समर्थन में अपने विचार दीजिए।

प्रश्न 10. सिक्किम की युवती द्वारा यह कहा जाना कि ''मैं इंडियन हूँ।'' से स्पष्ट होता है कि अपनी जाति, धर्म क्षेत्र और सम्प्रदाय से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्र है। आप किस प्रकार राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्य निभाकर देश के प्रति अपना प्रेम प्रकट कर सकते हैं?

प्रश्न 11.महानगरों की भाव शून्यता एवं एकाकी जीवन शैली से उबरने का एक माध्यम यात्रा हो सकती है। क्या आप इससे सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !

प्रश्न 1. क्या प्रेम और मित्रता की गहराई को उपहारों से मापा जा सकता है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. टुन्नू और दुलारी की आत्मीयता से स्पष्ट होता है, कि सच्चा आत्मीय प्रेम व्यक्ति को सही दिशा दिखाने में समर्थ होता है। उपरोक्त कथन के समर्थन में उत्तर दीजिए।

प्रश्न 3. भारत को स्वतन्त्रता दिलाने में, आम व्यक्ति की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यदि आप उस समय मौजूद होते, तो किस प्रकार अपना योगदान देते?

प्रश्न 4. निर्धन किन्तु मेधावी टून्नू और निर्भीक तथा स्वाभिमानी दुलारी के चरित्र से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

प्रश्न 5. भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों के विकास में भी महिलाओं के योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

प्रश्न 6. परम्परागत लोक कलाएँ केवल मनोनंजन का ही विषय नहीं हैं, अपितु समाज में जागरूकता लाने का एक साधन भी है। इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 7. स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए किसी एक विशेष वर्ग ने ही प्रयास नहीं किए, अपितु समाज की मुख्यधारा से बहिष्कृत एवं उपेक्षित समझे जाने वाले वर्ग का भी विशेष योगदान रहा है। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8. लोक नाट्य एवं लोक कलाएँ हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। वर्तमान परिवेश में ये लुप्त होने के कगार पर हैं। इन्हें पुनर्जीवित करने के लिए क्या उपाय किये जाने चाहिए?

प्रश्न 9. स्वतन्त्रता आन्दोलन में विदेशी वस्त्रों एवं सामानों की होली जलाई गई, किन्तु आज हम विदेशी वस्त्रों व सामानों के प्रति विशेष रुचि दिखाते हैं। ऐसा क्यों ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

प्रश्न 10. आज का युवा वर्ग दिशाहीन न हो, अपितु अपनी आर्थिक स्थिति, आयु एवं समय का ध्यान रखते हुए अपनी सोच को विकसित करे। इस संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

मैं क्यों लिखता हूँ ?

प्रश्न 1. ऐसी कोई घटना जिसने आपके अन्तर्मन को प्रभावित किया हो, और जो आपको लेखन की प्रेरणा देती हो, उसका वर्णन कीजिए।

प्रश्न 2. हिरोशिमा और नागासाकी जैसी घटनाएँ विज्ञान के दुरूपयोग को दर्शाती हैं। विज्ञान एक ओर हमें सुविधा सम्पन्न बनाता है, तो दूसरी ओर हमारे लिए एक बड़ा ख़तरा भी बनता जा रहा है। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. डायरी लेखन की आदत किस प्रकार आपकी लेखन एवं अभिव्यक्ति कला का विकास कर सकती है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. वर्तमान परिपेक्ष्य में आपदा प्रबन्धन की समुचित जानकारी होना आवश्यक है, जिससे आपदा के समय आप अपना, और समाज का बचाव कर सकें। विद्यालय से आपदा प्रबन्धन के विषय में मिली जानकारी का, आपदा के समय आप किस प्रकार प्रयोग करेगें ?

प्रश्न 5. युद्ध काल में सैनिकों द्वारा ब्रहमपुत्र नदी में बम फेंक कर हजारों मछलियों को बेवजह मारने के प्रसंग से स्पष्ट कीजिए कि आवश्यकता से अधिक संचय (जमा) करने की प्रवृत्ति कहाँ तक उचित है?

प्रश्न 6. आज विश्व के अधिकतम देश शांति एवं सुरक्षा की दुहाई देकर परमाणु एवं जैविक हथियारों का निर्माण कर रहे हैं। क्या आपकी राय में शांति और सुरक्षा के नाम पर इन हथियारों का निर्माण उचित है?

प्रश्न 7. आज का युवा कल के देश का भविष्य है, देश के भावी कर्णधार होने के नाते विज्ञान के दुरूपयोग को रोकने में आपकी क्या भूमिका हो सकती है?

उत्तर संकेत

अध्यापन निर्देश-

मूल्यपरक प्रश्नों के संदर्भ में जो उत्तर संकेत दिए गए हैं वह मात्र दिशा – निर्देशन के निमित्त हैं, यदि छात्र आत्ममंथन द्वारा प्रश्न से संबंधित, विषयानुरूप, स्वविचारों से रचित उत्तर लिखता है, तो उसे प्रोत्साहित करने की, तथा आवश्कतानुसार परिमार्जित करने की आवश्यकता है।

माता का अँचल

1 — समय का महत्व।
— समय बीत जाने पर पछताना पड़ता है।
— समय प्रबंधन उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।
— समय प्रंबधन निरंतर अभ्यास से संभव।

2 — प्रकृति मानव की सच्ची सहचरी है।
— पौधों की महत्ता को समझें।
— वृक्षों को काटने से रोकें।
— वन संरक्षित करें।

3 — माता संस्कार देती है।
— भाषा से परिचय कराती है।
— रिश्तों में सामंजस्य सिखाती है।
— सामाजिक नियमों का ज्ञान देती है।

4 — प्रसिद्वि का माध्यम।
— अन्य रोज़गार की तरह मेहनताना।
— प्रतिष्ठित संस्थानों में नौकरी का अवसर।
— विज्ञापन इत्यादि द्वारा धनोपार्जन।

5 — माता–पिता का सम्मान।
— आदेशों का पालन।
— शिष्टाचार का पालन एवं सेवाभाव।
— कुतर्क न करना आदि।

6 — एकाकीपन।
— मिलनसार न होना।
— अनुशासनहीनता।
— एकाग्रता की कमी।
— मित्रों से सामंजस्य न बन पाना आदि।

7 — भौतिक उपलब्धियाँ तृष्णाओं का विस्तार हैं।
— टी०वी०, मोबाइल,इंटरनेट के प्रयोग में नियंत्रण।
— पाठ्येतर क्रिया कलापो में भागीदारी।
— बच्चे की ऊर्जा को सही दिशा दिखाना।

8 — पशु – पक्षी हमारे मित्र हैं।
— पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक।
— बीज के संवाहक हैं।
— विद्यालय में शिक्षा दी जाए।
— महादेवी वर्मा द्वारा रचित मेरा परिवार जैसा साहित्य पढ़ा जाए।
— परिवार जागरूक करे।
— दाना – पानी के माध्यम से निकटता बढ़ाएँ।

9 — साधक एवं बाधक दोनों।
— सही परिवेश और संगति बुराइयों का नाश करती है।
— जबकि ग़लत परिवेश और संगति बुराइयों को जन्म देती है।

10 — माता से बच्चा भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़ा होता है।
— माता सदैव बच्चे का पक्ष लेती है।
— बच्चा माता के आँचल में स्वयं को ज़्यादा सुरक्षित समझता है।

11 — सत्य, अहिंसा, चोरी न करना, झूठ का साथ न देना इत्यादि नैतिक मूल्यों को अपनाना चाहिए।
— मादक द्रव्यों का सेवन न करना।
— अनैतिक कार्यों का अनुकरण नहीं करना चाहिए।

12 — प्रेमपूर्ण एवं सहानुभूति पूर्ण व्यवहार।
— बंधन या पिंजरे में न रखें।
— ज़बरदस्ती उनके स्वभाव के विपरीत कार्य उनसे न कराएँ।
— संरक्षित करने हेतु जागरूक करें।

13 — ग्रामीण बच्चों के खेल: – मिट्टी में खेलना, पेड़ों पर झूलना, मछली को दाना डालना। बारात निकालना आदि।
— शुद्ध भोजन।
— माता– पिता का सानिध्य।

— शहरी बच्चों की दुनिया: – आधुनिकतम खिलौनों से खेलना, दिखावा, जंक फूड का सेवन।
— प्रकृति के सानिध्य से दूर।
— माता–पिता की व्यस्तता।

जॉर्ज पंचम की नाक

1 — पाश्चात्य संस्कृति का अर्थ ।
— संस्कृति एव परिधान की नकल।
— अपने परम्परागत त्यौहारों में अरुचि।

2 — समाचार का मुख्य कर्त्तव्य सूचना देना।
— व्यक्ति की पहचान परिधान नहीं अपितु व्यक्तित्व।

3 — स्वच्छता को दैनिक जीवन में अपनाना।
— स्वास्थय और स्वच्छता।
— अपने को कमतर न आँकें।

4 — राष्ट्र की संपत्ति हमारी संपत्ति।
— तोड़ —फोड़ विरोध का सही तरीका नहीं।
— सभ्य नागरिकों से विध्वंस की अपेक्षा नहीं की जाती।

5 — प्रतिष्ठा दिखाई नहीं जाती प्राप्त होती है।
— प्रतिष्ठा के लिए आवरण की आवयश्कता नहीं।
— मितव्ययी होना सदैव ही अच्छा माना जाता है।

6 — जनसंचार का साधन लोकतन्त्र का सुदृढ़ स्तम्भ है।
— संचार के साधनों का प्रयोग समाज के हित में हो।
— सृजनात्मक प्रवृत्ति विकसित होना।

7 — दोनो आयोजनों में शहर को सँवारा गया।
— दोनों आयोजनों में धन का अत्यधिक उपयोग।
— विदेशी मेहमानों का सम्मान।

8 — समाचार पत्र का कार्य सूचना देना है।
— विरोध अन्य तरीकों से भी किया जा सकता है।
— विरोध की प्रवृत्ति विध्वंसक न हो।

9 — सहयोग एवं सौहार्द पूर्ण व्यवहार।
— सम्मान देना।
— हमारा व्यवहार हमारी संस्कृति का दर्पण।
— जैसा व्यवहार हम अपने लिए चाहते हैं।

10 — समय की महत्ता न समझना।
— मात्र कागज़ी कार्यवाही होना।
— भ्रष्टाचार का बोल बाला।

साना साना हाथ जोड़ि .....

1 — प्रकृति का दोहन।
— व्यक्ति की स्वार्थपरता।
— कार्बन जैसी गैसों का उत्सर्जन।
— भौतिक संसाधनों का अनुशासित प्रयोग।

2 — उन्हें सम्मान देकर।
— स्वयं भी सैनिक बनने की चाह रखकर।
— उनके त्याग व बलिदान को महसूस करके।

3 — परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।
— परिश्रम एवं अभ्यास का महत्व।
— असफलता ही सफलता की सीढ़ी है।

4 — श्रमिकों का योगदान।
— उनके कार्य को कम ना आँके।
— कार्य का यथोचित पारिश्रमिक।
— उनके प्रति सम्मान की भावना।
— शोषण की रोकथाम।
— श्रम का सही आँकलन।
— उनके बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था।

5 — अनेक लोगों से सम्पर्क।
— संस्कृति का आदान– प्रदान।
— कुछ नया सीखना।
— जानकारी में बढ़ोतरी।
— आपसी प्रेम का बढ़ना।
— सामंजस्य की सीख।
— 'वसुधैव कुटम्बकम्' की भावना का पोषण।
— संस्कृति मानसिकता की परिचायक।

6 — मनुष्य का स्वार्थ।
— अदूरदर्शिता।
— प्रकृति में असन्तुलन।
— वृक्षारोपण।
— रसायनों का कम उपयोग।
— रासायनिक कचरे का उचित निस्तारण।

7 — विभिन्न संस्कृतियों का आदान – प्रदान।
— विभिन्न आचारों विचारों का आदान–प्रदान।
— सीखने व सिखाने की प्रक्रिया का विकास।
— नई – नई भाषाओं की जानकारी।

8 — वर्षा का जल संचित करें।
— पानी का दुरूपयोग रोककर।
— पुराने तालाब, कुएँ और बावड़ियों को पुनर्जीवित करें।
— भूमिगत जलस्तर को बढ़ाएँ।

9 — बौद्विक विकास को अवरूद्व करता है।
— कुकृत्यों के लिए प्रेरित करता है।
— प्रगति के मार्ग में बाधक।

10 — देश के विकास में योगदान देकर।
— देश की रक्षा करके।
— अराजक तत्वों को रोककर।
— अच्छे नागरिक के रूप में नियमों का पालन करके।

11 — नीरस जीवन शैली में परिवर्तन।
— मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन।
— पारिवारिक संबन्धो को संबल।

एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!

1 — मित्रता उपहारों पर आश्रित नहीं होती।
— उपहार मित्रता के मानक नहीं होते।
— मित्रता में अपेक्षा सर्वथा अनुचित है।

2 — बिगड़े स्वभाव को प्रेम द्वारा सुधारा जा सकता है।
— प्रेम उत्सर्ग से पूर्ण होता है।
— सच्चा प्रेम स्व से पर की भावना विकसित करता है।

3 — महात्मा गाँधी, शहीद भगत सिंह आदि विभिन्न स्वतन्त्रता सेनानियों के बलिदानों की भाँति।
— जनता को जागरूक करके।

4 — विदेशी वस्तुओं का परित्याग एवं स्वदेशी वस्तुओं से प्रेम।
— देश प्रेम एवं त्याग की भावना।
— लोक कलाओं में रुचि।

5 — विभिन्न क्षेत्रों यथा –विज्ञान, कला, अंतरिक्ष आदि में विभिन्न विभूतियों यथा- मैडम क्यूरी, लता मंगेशकर, सुनीता विलियम्स, कल्पना चावला आदि का योगदान।

6 — ऐतिहासिक एवं परम्परागत विषयों एवं पात्रों का ज्ञान।
— समसामयिक विषयों का चयन कर जन जागरण करना।
— विभिन्न लोक कलाओं यथा स्वाँग, तमाशा, आल्हा, नौटंकी आदि का ज्ञान।
— नैतिकता का बोध।
— संस्कृति से परिचय होता है।

7 — टुन्नू और दुलारी जैसे अनगिनत गुमनाम शहीदों का योगदान।
— विभिन्न वर्ग, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्र के लोगों का योगदान।

8 — पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।
— युवा वर्ग को परिचित एवं प्रोत्साहित किया जाए।
— रोज़गार के साथ जोड़ा जाए।
— लोक कलाकारों को उचित पारिश्रमिक एवं सम्मान देना।

9 — दिखावे की प्रवृत्ति इसे प्रोत्साहित करती है।
— अपने आप को हम कमतर आँकते है।
— प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाते हैं।
— पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण।

10 — लक्ष्य निर्धारण होना चाहिए, ताकि दिशाहीन न हों।
— पुस्तकों के अध्ययन में रुचि होनी चाहिए।
— आत्मानुशासन एवं संयत दिनचर्या।
— अपव्यय को रोकना चाहिए।

मैं क्यों लिखता हूँ ?

1 — छात्र अनुभूत कोई भी घटना।

2 — सुविधा :– टेलीफोन, टी०वी०, मैट्रो इत्यादि।
— ख़तरा– मोबाइल टावर का रेडिएशन, ईअर फोन के उपयोग से बधिर होना, जान जाना, वायु प्रदूषण इत्यादि।

3 — लेखन कौशल की बढ़ोतरी।
— लेखन के माध्यम से छात्रों की अभिव्यक्ति को जाग्रत करना।
— अपने विचारों को सुनियोजित रूप देना।

4 — आपदा प्रबन्धन के बताए नियमों को ध्यान में रखना।
— तुरन्त अपनी दिमाग़ी शक्ति का इस्तेमाल करना।
— हताश न होना।
— स्वंय की सुरक्षा के साथ दूसरों की सुरक्षा करना ।

5 — आवश्यकता से अधिक सचंय उचित नहीं है।
— समाज के लिए समान वितरण आवश्यक है।
— अधिक संचय की प्रवृत्ति समाज में असंतुलन पैदा करती है।

6 — हथियार ही शांति का हल नहीं हैं।
— वैचारिक आदान प्रदान से भी शांति स्थापित की जा सकती है।
— प्रेम और सौहार्द के माध्यम से शांति और सुरक्षा प्राप्त करना।
— शक्ति का संयमित प्रयोग करना।

7 — लोगों में जागरूकता पैदा करना।
— दुरूपयोग और सदुपयोग की जानकारी देना।